**SET-3**

**Series DPRPR/4**

**Code No. 4/4/3**

**Roll No.** | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- नोटः– कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **4** हैं।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **8** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र कर वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

# हिन्दी (HINDI)

## पाठ्यक्रम (COURSE-B)

## संकेत एवं उत्तर (HINTS & SOLUTIONS)

निर्धारित समय **: 2** घण्टे अधिकतम् **: 40**

### सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिएः

**(i)** इस प्रश्न–पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।

**(ii)** इस प्रश्न–पत्र में कुल दो खंड है – खंड – क और खंड –ख।

**(iii)** खंड–क में कुल 3 प्रश्न है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।

**(iv)** खंड–ख में कुल 5 प्रश्न है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।

**(v)** प्रत्येक प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए यथासंभव क्रमानुसार उत्तर लिखिए।

खण्ड 'क'

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **26** से **30** शब्दों में लिखिए: **2 × 2 = 4**

(क) 'मनुष्यता' कविता में कवि ने सब को साथ चलने की प्रेरणा क्यों दी है? इससे समाज को क्या लाभ हो सकता है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर– कवि ने सब को एक होकर चलने की प्रेरणा इसलिए दी है क्योंकि इससे आपसी मेल–भाव बढ़ता है तथा हमारे सभी काम सफल हो जाते हैं। यदि हम सभी एक होकर चलेंगे तो जीवन मार्ग में आने वाले हर विघ्न–बाधा पर विजय पा लेंगे। जब सबके द्वारा एक साथ प्रयास किया जाता है तो वह सार्थक सिद्ध होता है। सबके हित में ही हर एक का हित निहित होता है। आपस में एक–दूसरे का सहारा बनकर आगे बढ़ने से प्रेम व सहानुभूति के संबंध बनते हैं तथा परस्पर शत्रुता एवं भिन्नता दूर होती है। इससे मनुष्यता को बल मिलता है। कवि के अनुसार यदि हम एक–दूसरे का साथ देंगे तो, हम प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेंगे।

(ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि ने वृक्षों को पर्वतों की उच्चाकांक्षाएँ क्यों कहा है?

उत्तर– पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे–ऊँचे शाल के वृक्ष आकाश की ओर अपनी उच्चाकांक्षाओं को प्रकट करने के लिए देख रहे हैं, अर्थात् जैसे ये वृक्ष आकाश को पाना चाहते हैं। मनुष्य की आकांक्षाओं की भाँति ही आकाश को स्पर्श करना चाहते है। ये वृक्ष इस बात को प्रतिबिंबित करते हैं कि मानों ये गंभीर चिंतन में लीन हों और अपलक देखते हुए अपनी उच्चाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए निहार रहे हों।

(ग) फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है' 'कर चले हम फिदा' कविता से उद्धृत प्रस्तुत पंक्ति में 'इस जश्न' से कवि का क्या आशय है और उसे बाद में मनाने के पीछे क्या कारण है?

उत्तर– 'फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है' कहकर कवि अन्य शेष सैनिकों व देशवासियों को बलिदान देने के लिए प्रेरित करना चाहता है। उसका मानना है कि यदि देश रक्षा के कार्यों को अधूरा छोड़ दिया जाएगा, तो शहीदों का बलिदान व्यर्थ हो जाएगा। अतः शहीदों के बाद अन्य सैनिकों को भी बहादुरी से शत्रुओं के साथ तब तक लड़ना होगा, जब तक देश पूरी तरह सुरक्षित न हो जाए। जीत का उत्सव हम तभी मना सकेंगे, जब बलिदान का यह सिलसिला थम जाएगा।

**2.** निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग **60** से **70** शब्दों में लिखिए: **4 × 1 = 4**

(क) ''हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए।'' 'झेन की देन' पाठ से उद्धृत लेखक का यह कथन वर्तमान परिस्थितियों में कहाँ तक सत्य है? क्या आप इससे सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर– अकसर हम भविष्य की रंगीन काल्पनिक दुनिया में जीने लगते हैं या फ़िर बीते दिनों की खट्टी–मीठी स्मृतियों में उलझ जाते हैं। हम या तो भूतकाल में जीते हैं या फिर भविष्य में लेकिन दोनों ही मिथ्या हैं। एक बीत चुका है और दूसरा अभी आया ही नहीं है। लेखक मानता है कि हमारे सामने जो वर्तमान है, वही सत्य है। हमें उसी में जीना चाहिए। वर्तमान काल अत्यधिक विस्तृत होता है। वर्तमान में जीने वाले का जीवन सरल तथा आदर्शपूर्ण हो सकता है, क्योंकि भविष्य उसे चिंतित नहीं करता और भूतकाल उसे परेशान नहीं कर सकता। इस तरह जीवन की सारी गुत्थियाँ स्वयं ही सुलझ जाती हैं।

(ख) ''आपसी फूट के कारण भारत इतने वर्षों तक दूसरों का गुलाम रहा'' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? 'कारतूस' एकांकी के आधार पर कारण सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर– इस कथन से हम पूर्ण सहमत है क्योंकि आसिफ़उद्दौला व आदत अली दोनों रिश्ते में भाई थे। अवध के तख्त पर आसीन थे, लेकिन जैसे ही वज़ीर अली का जन्म हुआ और एक वह जाँबाज सिपाही के रूप में अस्तित्व में आया तथा सआदत अली को अवध का तख्त अपने हाथ से जाते हुए दिखा, वैसे ही सआदत अली, अंग्रेजो से जाकर मिल गए और सआतद अली ने उन्हें बहुत ज़ागीर हाथी–घोड़े दिये। इन सब बातों से स्पष्ट होता है कि आपसी फूट के कारण भारत इतने वर्षो तक दूसरों का गुलाम रहा।

**3.** पूरक पाठय–पुस्तक 'संचयन' के तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) ''हरिहर काका'' कहानी, वृद्धों के प्रति संवेदनहीन होते समाज की कथा है।'' इस कथन को कहानी के आधार पर उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

उत्तर– हमारी सामाजिक व्यवस्था का यह एक कटु यथार्थ है कि बुढ़ापे का सहारा कही जाने वाली संतानों या परिवार के अन्य लोगों की बेमेल विचारधारा से वृद्ध व्यक्ति त्रस्त होते हैं। सामान्यतः उनके पास कोई संपत्ति या अधिकार नहीं होता, लेकिन हरिहर काका की स्थिति इससे भिन्न दिखाई देती है। हरिहर काका के पास ज़मीन–जायदाद है, उनका अधिकार भी वास्तविक तौर पर सीमित नहीं है, परंतु वे इस रूप में भी एक नए शोषित वर्ग के प्रतिनिधि रूप में दिखाई देते हैं कि

उनके सगे भाइयों के परिवार और सामाजिक व्यवस्था ने अपना स्वार्थ साधने के लिए उन्हें शोषण का शिकार एवं खिन्न मनोवृत्ति वाला बना दिया है। भाई उनकी संपत्ति के लिए जान लेने पर उतर आए हैं, तो पुलिस–प्रशासन सुरक्षा देने के नाम पर उनका शोषण कर रहा है। सामाजिक व्यवस्था में सर्वाधिक पवित्र मानी जाने वाली धार्मिक संस्थाओं का चरित्र भी ठाकुरबारी और महंत की गतिविधियों से स्पष्ट हो जाता है। शोषण करने में वे भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस तरह संपत्ति एवं अधिकार संपन्न तथा स्वतंत्र होते हुए भी हरिहर काका परिवार, धर्म एवं समाज द्वारा शोषित एक नए वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं।

(ख) 'सपनों के–से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक को नयी श्रेणी में जाने की प्रसन्नता अन्य विद्यार्थियों की तरह क्यों नहीं होती थी?

उत्तर– नयी श्रेणी में जाकर लेखक का बालमन इसलिए उदास हो जाता था, क्योंकि उसे किताबें अन्य लड़कों द्वारा पढ़ी हुई ही पढ़नी पड़ती थीं। उसके लिए पुरानी किताबों का प्रबंध हेडमास्टर साहब शर्मा जी कर देते थे, क्योंकि लेखक के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, जबकि अन्य बच्चे नई कक्षा में नई किताबें खरीदते थे। लेखक का बालमन नई कापियों तथा पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से उदास हो उठता था।

(ग) ''इफ़्फ़न के पिता के तबादले के बाद टोपी शुक्ला का अकेलापन और महंत और भाइयों के दुर्व्यवहार के कारण 'हरिहर काका' का मौन धारण वर्तमान समाज की ऐसी सच्चाई है, जिससे आज बहुत से लोग पीड़ित हैं।'' इस स्थिति से निकलने में आप ऐसे लोगों को क्या सुझाव देंगे ?

उत्तर– यह दोनो ही स्थिति से बाहर निकालने के लिए हम लोगों को यह सुझाव देते है कि हमें रिश्तों को इतना भी संकुचित नहीं करना चाहिए जैसे टोपी ने किया अगर टोपी शुक्ला कक्षा व बाहरी परिवेश से एक समान करता तो इफ़्फ़न के जाने बाद वह दूसरे बच्चों के साथ दुलमिल जाता क्योंकि इस गतिशील संसार में दिनो – दिन बहुत कुछ बदलाव आते है। कुछ बिछुड़ते है और कुछ नए आते है।
ऐसे हरिहर काका का मौन होना इस बात का प्रमाण है कि जो सामाजिक परिस्थितियों में जकड़ जाते है वो समाज व परिवार से हटकर अकेला जीवन जीते है।

खंड–ख

**4.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **150** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए: **6 × 1 = 6**

(क) लड़कियों की शिक्षा
- भारतीय समाज में लड़कियों की स्थिति
- शिक्षा की आवश्यकता और कठिनाइयाँ
- देश का भविष्य

(ख) पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र
- पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र क्यों?
- पुस्तकों का हमारे जीवन में महत्त्व
- पुस्तकें ज्ञान का भण्डार

(ग) आज़ादी का अमृत महोत्सव
- अमृत महोत्सव के पीछे धारणा
- सरकारी– गैर–सरकारी स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ
- इससे लाभ

उत्तर– (क) लड़कियों की शिक्षा

लड़कियों की शिक्षा का हमारा देश में अत्यन्त महत्व है। आज भी हमारे देश में लड़के और लड़कियों में भेदभाव किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो लड़कियों की स्थिति सोचनीय होती है। आज समय तेजी से बदल रहा है। पुरुषों के बराबर स्त्रियों को भी शिक्षा की प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार द्वारा ऐसी अनेक योजनाएँ चलायी जा रही हैं, जिससे बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जा सके। लोगों में जागरूकता फैलाने का काम स्वयंसेवी संस्थाएँ कर

रही हैं। शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य विनम्रता, उदारता और सहनशीलता जैसे महान गुणों को सीखता है। आज लड़कियों को शिक्षा की विशेष आवश्यकता है। बालिका, जिसके जन्म पर घर में कोई प्रसन्न नहीं होता, जो जीवन भर सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव, प्रताड़ना, उत्पीड़न, कुपोषण और शोषण का शिकार होती रहती हैं, ऐसी बालिका के लिए शिक्षा ही एक ऐसा अस्त्र बन सकता है, जो न केवल उसे उसके नैतिक, सामाजिक और शैक्षणिक अधिकार दिलाएगी, बल्कि उसे जीवन में आने वाली कठिनाइयों के सामने एक सशक्त महिला के रूप में खड़ा करेगी, अतः बालिका के साथ शिक्षा के संबंधों को नकारा नहीं जा सकता। बालिका के लिए शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है, स्त्रियों का परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। बालिकाओं पर भी किसी भी देश का भविष्य निर्भर करता है क्योंकि बालिकाएँ आगे चलकर माँ बनती हैं और माँ किसी भी प्रकार की केन्द्रीय इकाई होती है। यदि माँ को शिक्षा प्राप्त नहीं है और वह बचपन में पोषण व अज्ञानता की शिकार हैं, तो वह एक स्वस्थ शिक्षित परिवार व उन्नत समाज को जन्म देने में विफल रहेगी, अतः बालिका के लिए शिक्षा नितांत आवश्यक है। आज बालिका शिक्षा को राष्ट्रीय आवश्यकता समझकर जोर दिया रहा है। परिणामतः बालिकाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। आज बालिकाएँ, बालकों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है, वे आज हर प्रतियोगी युग में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इस कार्य के लिए माता–पिता का सहयोगी होना अत्यन्त आवश्यक है। उन्हें चाहिए कि लड़के व लड़कियों में भेदभाव न करें। बल्कि उन्हें इस कार्य का श्रीगणेश अपने–अपने घरों में ही आरम्भ करना चाहिए। जिससे हमारे देश में अशिक्षा का सूरज डूबेगा व उन्नत, विकसित, शिक्षित व सम्पन्न देश के लिए नए सूरज का उदय होगा।

**5.** **(a)** आप विद्यालय के प्रमुख छात्र नलिन है। आपके विद्यालय में कैंटीन की समुचित व्यवस्था नहीं है। विद्यालय की प्रधानाचार्या से इस समस्या का समाधान करने की प्रार्थना करते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

अथवा

**(b)** देश के विभिन्न राज्यों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता प्रकट करते हुए हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

उत्तर– **(b)**

परीक्षा भवन,
मेरठ।
दिनांक 17 जुलाई, 20XX

सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
दिल्ली रोड,
मेरठ।

विषय– विभिन्न राज्यों में बढ़ते प्रदूषण पर चिन्ता हेतु।

मान्यवर,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से जनता, अधिकारियों तथा सरकार का ध्यान राज्यों में कल–कारखानों के कारण होने वाले प्रदूषण की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने प्रतिष्ठित समाचार–पत्र में प्रकाशित करेंगे।

आज के आधुनिक युग में उद्योग–धंधों का तेजी से प्रसार हो रहा है। इनकी चिमनियों से निकलने वाले धुएँ से वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बहुत बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक केंद्रों में मशीनों से निकलने वाले कचरे से भी वायुमंडल में प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रदूषण चाहे कैसा भी हो, स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। वायुमंडल में शुद्ध वायु की कमी विभिन्न रोगों को जन्म देती है। अपने शहरों के चारों ओर स्थित अनेक उद्योग–धंधों की चिमनियों से निकलने वाला धुआँ तथा कोयले की राख आस–पास के निवासियों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।

मेरा मुख्यमंत्री, जिलाधीशों तथा प्रदूषण विभाग के अधिकारियों से विनम्र अनुरोध है कि वे इस ओर ध्यान दें तथा इस संबंध में आवश्यक एवं कठोर कदम उठाएँ, जिससे समस्या का उचित समाधान हो सके।

सधन्यवाद।
भवदीय
क.ख.ग.

**6.** निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **120** शब्दों में लघुकथा लिखिए: **5 × 1 = 5**

**(a)** एकता में बल

अथवा

**(b)** सत्संग का प्रभाव

उत्तर–

एकता में बल

किसी गाँव में एक किसान रहता था। उसके चार बेटे थे पर सदा लड़ते–झगड़ते रहते थे। एक दिन किसान बहुत बीमार पड़ गया। उसकी मृत्यु का समय निकट आ गया था। उसने अपने चारों लड़कों को अपने पास बुलाया। तब किसान ने एक लकड़ी का गट्ठर मँगाया और अपने चारों लड़कों को बारी–बारी से उस गट्ठर को तोड़ने के लिए कहा। पर किसी से भी वह गट्ठर न टूटा। फिर किसान ने उस लकड़ी के गट्ठर को खोलने के लिए कहा और लड़कों से बारी–बारी से एक–एक लकड़ी तोड़ने के लिए कहा। सबने आसानी से लकड़ियों को तोड़ दिया।

किसान ने अपने बेटों को समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार वे लकड़ी के गट्ठर को नहीं तोड़ पाए। उसी प्रकार उन्हें भी एक साथ मिल–जुलकर रहना चाहिए ताकि कोई भी उन्हें हानि न पहुँचा सके। यह सुनकर चारों लड़कों की आँखें खुल गईं और वे समझ गए कि आपस में मिल–जुलकर रहने में कितना बल है।

शिक्षा– एकता में बल है।

**7.** (क) **(a)** पिछली कक्षा की अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरण करने हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **2½**

अथवा

**(b)** विद्यालय में आयोजित होने वाले पुस्तक मेले का प्रचार–प्रसार करने हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **2½**

उत्तर– **(b)**

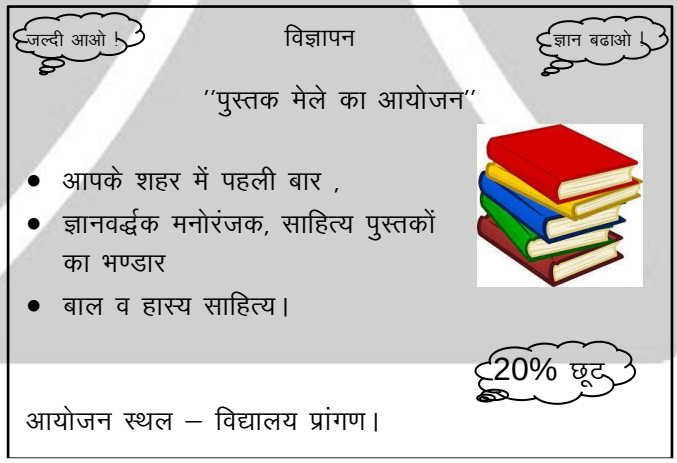


(ख) **(a)** आप अपनी पुरानी साइकिल बेचना चाहते हैं। इसकी जानकारी देते हुए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **2½**

अथवा

**(b)** आपके पिता श्रृंगार वस्तुओं के विक्रेता हैं। कोरोना महामारी के कारण उनके कारोबार में मंदी आ गई। उनकी दुकान में बिक्री बढ़ाने के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **2½**

उत्तर– **(a)**

कम बजट

विज्ञापन

आपकी जरूरत

''एटलस साइकिल''

मात्र दो माह पुरानी नई
जैसी दिखाई दे तो
आप आज ही ले।

सम्पर्क करे.....

मात्र–1500
रूपये में

**8.** (क) **(a)** आप विद्यालय के प्रमुख छात्र, मानव हैं। आपके विद्यालय में आपदा–प्रबंधन की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन होने वाला है। छठी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को सूचित करने हेतु 50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। **2½**

अथवा

**(b)** विद्यालय की सांस्कृतिक सभा के सचिव होने के नाते 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के विषय में विद्यार्थियों को सूचित करने के लिए लगभग 50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। **2½**

उत्तर– **(b)**

राजकीय उच्च माध्यामिक विद्यालय, बूंदी (राज.)

''गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन''

## सूचना

दिनांक : 18 मई, 2022

विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हर वर्ष की भाँति इस बार भी हमारे विद्यालय के प्रार्थना प्रांगण में 'गणतंत्र दिवस' का आयोजन किया जा रहा है। जो भी विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहते है। वे अपना नाम कक्षाध्यापक को देवें।

सभी छात्र अपने अभिभावकों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हों।

आज्ञा से
सचिव– अदिति गोयल
सांस्कृतिक सभा।

(ख) **(a)** सागर अपार्टमेन्ट के सचिव की ओर से अपार्टमेन्ट में रहने वाले लोगों को जल की बर्बादी रोकने हेतु 50 शब्दों में एक सूचना लिखिए। **2½**

अथवा

**(b)** आप केन्द्रीय विद्यालय की सुचेता हैं। आप दसवीं कक्षा की छात्र है। विद्यालय में आपका परीक्षा प्रवेश पत्र खो गया है। विद्यालय सूचना–पट के लिए लगभग 50 शब्दों में एक सूचना लिखिए। **2½**

उत्तर– **(b)**

केन्द्रीय विद्यालय

''परीक्षा प्रवेश–पत्र का खो जाना''

सूचना

दिनांक : 25 जुलाई, 2022

विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि मेरा परीक्षा प्रवेश–पत्र विद्यालय प्रांगण में गुम हो गया है। उस पर मेरा फोटो, नाम व अनुक्रमांक अंकित है। जिस किसी को मिला हो मुझे वापस लौटाने की कृपा करें ताकि मैं आगे के प्रश्न–पत्र दे सकूँ।

सुचेता
कक्षा – दसवीं